एक बाइबिल शिष्यवृत्ति मॉडल

त्यागना | पीछे चलना | चमकना |

त्यागना | पीशे चलना | चमकना |

त्यागना | पीशे चलना | चमकना | शिष्यवृत्ति मॉडल में आपका स्वागत है। त प च मॉडल एक बाइबिल के शिष्यवृत्ति मॉडल है जिसे शिष्यों को बनाकर राज्य को दुनिया भर में वैश्विक चर्च बढ़ाने और मसीह के देह की सहायता के लिए बनाया गया है।

इतिहास:

चर्चों को शुरू करने और पास्टर रहने के कई सालों बाद (1 99 1 से), माइकल रोमेरो को 2008 में पारंपरिक अर्थों में और वैश्विक चर्च के बीच विकास और स्वास्थ्य बनाने के के लिए पासवान की सेवकाई में बुलाया गया था।

अपने अनुभवों के दौरान वह वैश्विक चर्च के बीच कई वास्तविक मुद्दों के बारे में जागरूक हो गए थे, यह बढ़ने से और स्वस्थ होने के कारण इसे बाधित कर रहा था। यहां वह तीन चीजें हैं।

1. एकता: वैश्विक चर्च एकजुट नहीं था।

a. उनके समुदायों, शहरों, राज्य और राष्ट्र और वैश्विक स्तर पर विभिन्न चर्च नेतृत्व के बीच संचार में एक **तोड़फोड़** है।
b. शैतान का काम मेरे लिए स्पष्ट था कि खुद को "वैश्विक चर्च" के रूप में देखने के बजाय विभिन्न चर्चों के बीच एक टीम भावना के बजाय **प्रतिस्पर्धा** थी

2. पहचान: सदस्यों ने यीशु के साथ अपनी पहचान से अधिक **पादरी** या चर्च **इतिहास** के साथ अप्नी पहचान बनाई है, जो हमारे विश्वास और राज्य का करता और पूरा करने वाला, जिनके वे संबंधित हैं।

3. उद्देश्य: पूरी तरह से चर्च परमेश्वर के राज्य को प्रभावी रूप से नहीं बढ़ा रही था और पहले **राज्य** के बजाय समुदाय के विनाशकारी असंतुलन पहले था (मती 6:33) हमारे स्थानीय चर्चों पर हावी था और दुनिया में हमारी प्रभावशीलता और गवाह को नष्ट कर रहा था

एक चर्च स्वास्थ्य और चर्च विकास सलाहकार के रूप में अपने समय के दौरान उन्होंने पाया कि उन्होंने पादरी और उनके चर्चों की सेवा करने के काम को दो प्रश्नों से पहले शुरू किया था,

Q. आपको आमतौर पर क्या मिलता है क्यों चर्च स्वस्थ नहीं होते हैं और नहीं बढ़ रहे हैं ?

A. मेरी प्रतिक्रिया हर बार एक ही रही है। चर्च शिष्य नहीं बना रहा है कई बार, यहां तक कि चर्च के नेतृत्व में भी मुशकल में है कि इसका मतलब क्या था।

दूसरा सवाल यह है।

Q. आपको क्या लगता है कि कारण यह है कि चर्च शिष्य नहीं बना रहे हैं?

A. यह आमतौर पर दो चीजों के कारण था। सबसे पहले, यह उन चर्चों की सदस्यता के बीच विश्वास की कमी के कारण है। फिर कभी-कभी नेतृत्व में भी। दूसरा, चर्च में एक **अच्छे शिष्यवृत्ति मॉडल** की कमी।

लगातार चर्च से चर्च होना सच लग रहा था। यहां तक कि शिष्यवृत्ति के लिए रणनीति के साथ चर्च भी गड़गड़ाहट में थे क्योंकि वे विश्वास से अधिक सामग्री और कार्यक्रमों पर निर्भर थे,

उनके सेवकाई में, माइकल रोमेरो ने चर्च के कई अलग-अलग अभिव्यक्तियों को देखा और अनुभव किया है। जो कुछ भी उसने देखा है और पाया है की चर्च मे " **कार्यक्रम संबंधी स्कीयर**" से काम करते हैं,

दूसरे शब्दों में चर्च एक कार्यक्रम को चलने या आराधना करने के लिए बुनियादी गाने जैसे कि आराधना गीत, दश्वाश प्रचार, घोषणाएं, वह इतनी सेवाएं रख सकते हैं परमेश्वर पर निर्भर रहे बिना। यहां तक कि कुछ चर्चों का मानना नहीं था कि परमेश्वर अलौकिक कुछ भी कर सकते हैं और विश्वास की कमी के लिए कार्यक्रमों को लागू कर रहे थे।

जब उन्हने परमेश्वर के वचन में देखा, उन्होंने पाया कि पहली शताब्दी में चर्च ने कुश कीया उन्हें एकीकृत बनाया रखता और उन्हें हर दिन मजबूत कर रहा था ।

नये नियम चर्च अपने में स्वस्थ थे और थे तो वे तेजी से बढ़ रहे थे :

वे **हर रोज** **विश्वास करते** और उन्होंने हर दिन शागिर्द बनाए ।

जब उन्हें स्वस्थ चर्च बड़ते हुए पाया क्योंकि हमेशा उनके पास एक अलोकिक विश्वास था और उन्हें चेले बनाने में बहुत जोर दिया गया था।

जैसा कि मैंने संघर्ष करने वाले चर्चों में गहराई से देखा, मैंने लोगों की तीन श्रेणियों की खोज की।

1. ऐसे लोग थे जो परमेश्वर के बच्चे **नहीं** थे

2. ऐसे लोग थे जो परमेश्वर के **कुटिल** बच्चे थे

3. ऐसे परमेश्वर के बच्चे, जिन्हें **सही** तरीके से शिष्य के बारे में नहीं सिखाया गया था, पर वो बनन चाहते थे।

तो किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जो राज्य के विकास और चर्च के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित था, उसने हर जगह पाया कि वह दो मूलभूत आवश्यकताओं है।

चर्च स्वास्थ्य और चर्च विकास के लिए दो:

1 चर्च के अंदर **विश्वास** का मूल्यांकन और मजबूती..

2. सुनिश्चित करना कि चर्च के और नेतृत्व के बीच **शिष्यों** के लिए एक अच्छा मॉडल था

यह इस अवलोकन से बाहर था कि छोड़ना पीशे चलना चमकना माडल बना

उदेश्य

शिष्यवृत्ति मॉडल छोड़ना पीशे चलना चमकना । एक उपकरण है जो वैश्विक चर्च को हर दिन विश्वास से चलने में इकठा करता है ताकि वह चेले बनाने के दुआरा परमेश्वर के राज्य को बढ़ा सके

"विचार:

यह मॉडल इस धारणा को मानता है कि शिष्यवृत्ति चर्च बदल देगी और बढाएगी जेसे की कोई और चीज यह कर सकती.. अगर सिद्धांतों को वास्तविक विश्वास के साथ लागू किया जाता है। इस विश्वास के बिना इस मॉडल को लागू करना असंभव होगा।

आप इस मॉडल का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह सुनिश्चित करने की आपकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है कि मॉडल में मिलावट या इसको गलत समझा नहीं जाना चाहिए। अगर छोड़ना पीशे चलना चमकना में मिलावट या इसको गलत समझा जाता है यह विकास को बनाने में प्रभावी नहीं होगा।

छोड़ना

छोड़ो शिष्यवृत्ति का पहला हिस्सा है और इसे कई अलग-अलग व्यावहारिक अनुप्रयोगों में विभाजित किया जा सकता है। हालांकि, आज के समय के लिए हमने इसे खोजना शुरू कर दिया है, हम बाइबल में इस आदर्श के केवल कुछ उदाहरण देखेंगे।

यदि आपके पास बाइबल हैं तो कृपया साथ में पड़े

यहोवा ने अब्राम से कहा, "अपने देश, और अपनी जन्मभूमि, और अपने पिता के घर को <u>छोड़कर</u> उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा। (और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा।

3. और जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा;

और जो तुझे कोसे, उसे मैं श्राप दूँगा;

और भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।"

4. **यहोवा के इस वचन के अनुसार अब्राम चला; और लूत भी उसके संग चला; और जब अब्राम हारान देश से निकला तो वह 75 साल का था**

उस सयदि आप चाहते हैं कि परमेश्वर आपके जीवन में कुछ नया करे, तो आपको उस स्थान को छोड़ना होगा जहां आप हैं। असल में, जब भी परमेश्वर बाईबल में किसी के माध्यम से कोई काम करना चाहता था, तो उन्होंने उन्हें कहीं, कुछ, या किसी को छोड़ने के लिए कहा।

मैं इसे फिर से कहूंगा, कभी भी जब परमेश्वर बाइबल में किसी के माध्यम से काम करना चाहता था तो उसने छोड़ने के लिए कहा

कोई भी स्थान

किसी चीज को

किसी को

इस मामले में अब्राहम ने तीनों को छोड़ दिया!

एक मिनट ले लो और उत्पत्ति 12: 1-4 पर अपने नोट्स में या अपने बाइबल में देखें और निम्नलिखित लिखो

कि अब्राहम ने क्या कहीं छोड़ा था?

अब्राहम ने क्या कुश छोड़ा था ?

अब्राहम ने किस को छोड़ा था?

उतर:

अब्राहम ने अपना भूमि छोड़ दिया, वह कुछ था

जो अब्राहम ने अपने परिवार को छोड़ दिया था, वह किसी को था

अब्राहम को अपने घर छोड़ दिया था, वह कुछ था

और वह परमेश्वर की उसके जीवन के लिए नई योजना का पालन किया

अब अब्राहम ने अपने जीवन के लिए परमेश्वर की पूरी योजना को जान लिया ? क्या वह जानता था कि वह कहां खत्म होगा, वह रोज़ाना क्या करेगा ?

नहीं, वह नहीं जानता था।

शास्त्रों ने उनके बारे में यही कहा है।

इब्रानियों 11:8

8. विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे विरासत में लेनेवाला था, और यह न जानता था, कि मैं किधर जाता हूँ; तो भी निकल गया।

उन्होंने अपने जीवन के लिए परमेश्व्वर की योजना और उद्देश्य का पालन करने के लिए सब कुछ छोड़ दिया

इस वचन के अनुसार, अब्राहम के सबकुछ पीछे छोड़ने की क्षमता क्या थी ?

अब्राहम **<u>विश्वास</u>** से **<u>अजिया</u>** है

यही कारण है कि पवित्रशास्त्र अब्राहम के खाते से पहले कुछ छंद कहता है,

इब्रानियों 11: 6

और विश्वास के बिना तो परमेश्वर को प्रसन्न करना असम्भव है। क्योंकि हर एक वह जो उसके पास आता है, उसके लिए यह आवश्यक है कि वह इस बात का विश्वास करे कि परमेश्वर का अस्तित्व है और वे जो उसे सच्चाई के साथ खोजते हैं, वह उन्हें उसका प्रतिफल देता है।

विश्वास के बिना तो परमेश्वर को प्रसन्न करना असम्भव है और विश्वास के बिना उसकी आज्ञा मानना भी असम्भव है वह एक साथ चला जाता है।

जो भी परमेश्वर आपको छोड़ने के लिए कह रहा है उसे छोड़ने के लिए सचमुच **<u>वास्तविक</u>** विश्वास की आवश्यकता होती है।

वास्तविक विश्वास क्या है?

आइए शुरूआत करें जो यह नहीं है;

1. यह एक **<u>बौद्धिक</u>** विश्वास नहीं है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में आप जानते हैं।

   विश्वास बौद्धिक नहीं है। आप तर्क और कारण या कभी-कभी ज्ञान के साथ परमेश्वर आप से क्या पूछ रहे हैं, आप जोड़ नहीं कर सकते। सब कुश छोड़ने के लिए अब्राहम के पास अपना कोई तार्किक कारन नहीं था, पर उसको सिर्फ परमेश्वर के वादों के उपर विश्वास करना था, जिसे वह मुश्किल से जानता था। यह धार्मिक अध्ययन या सेमिनरी के माध्यम से बौद्धिक रूप से निर्णय नहीं लिया गया था ।

2. यह एक **<u>सांस्कृतिक</u>** विश्वास नहीं है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके साथ आप बड़े हुए हैं।

अब्राहम का विश्वास **<u>सांस्कृतिक</u>** नहीं था वह मोजुदा सांस्कृतिक में पैदा नहीं हुआ था । इजराइल मोजूद नहीं था । यरूशलेम अभी तक बनाया नहीं गया था। कोई धार्मिक संस्कृति नहीं थी कि वह एक मूर्तिपूजको के बीच मे पैदा हुआ था।

3. यह एक **<u>ऐतिहासिक</u>** विश्वास नहीं है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे आप अतीत में जानते थे।

विश्वास ऐतिहासिक नहीं है। उनके परिवार में कोई भी इसे ***<u>प्रेरित</u>*** नहीं किया और उसे बताया कि विश्वास कैसे करें, विश्वास कैसे प्राप्त करें, विश्वास में कैसे रहें। उसके पास दादी और दादा नहीं थे जो चर्च गए थे। उनके पास ईश्वरीय माता और पिता नहीं थे जिन्होंने उन्हें सिखाया कि विश्वास से कैसे जीना है।

तो **असली** विश्वास क्या है?

यह एक **राज्य** विश्वास है (मत्ती 6:33) जिसे **दैनिक** अभ्यास किया जाता है।

इसलिए परमेश्वर ने अब्रहम को जमीन, परिवार, उसके पिता आरामदायक जगह को पीछे छोड़ने और एक नया काम शुरू करने के लिए एक नई भूमि पर जाने के लिए कहा।

विश्वास कभी **<u>तार्किक</u>** नहीं है। विश्वास **<u>अलौकिक</u>** है।

अगर परमेश्वर हमसे चाहते की हमे तर्कसंगत रूप से जीना है तो विश्वास की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

मरकुस 6:7

और वह बारहों को अपने पास बुलाकर उन्हें दो-दो करके भेजने लगा; और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया।

अगर आपके हर रोज के जीवन में अलौकिक कम नहीं हो रहे है तो इसका मत्ल्लब आप विश्वास से नहीं जी रह रहे हैं। आप हां, हमारे निर्माता की अलौकिक शक्ति को समझने के लिए असली आदेश। विश्वास को हमेशा यह आवश्यक है कि हमें आराम क्षेत्र के बाहर खींचे ताकि हम सृष्टिकर्ता परमेश्वर की उस अलोकिक समर्थ को जान सके ।

यह कभी भी मानव दिमाग और दिल के लिए आरामदायक **<u>नहीं</u>** होता है।

आइए आगे एक नया नियम उदाहरण देखें।

मत्ती 4:19-22

18. यीशु ने उनसे कहा, "मेरे पीछे चले आओ, मैं तुम्हें सिखाऊँगा कि लोगों के लिये मछलियाँ पकड़ने के बजाय मनुष्य रूपी मछलियाँ कैसे पकड़ी जाती हैं।" उन्होंने तुरंत अपने जाल छोड़ दिये और उसके पीछे हो लिये। फिर वह वहाँ से आगे चल पड़ा और उसने देखा कि जब्दी का बेटा याकूब और उसका भाई यूहन्ना अपने पिता के साथ नाव में बैठे अपने जालों की मरम्मत कर रहे हैं। यीशु ने उन्हें बुलाया। और वे तत्काल नाव और अपने पिता को छोड़कर उसके पीछे चल दिये।

हमें किसी को छोड़ देने के लिए कब प्रोत्साहित करना चाहिए? **<u>तुरंत ही!</u>**

जब अब्राहम, मूसा, एस्तेर, दबोरा, रूथ, दाऊद, एलिय्याह, यिर्मयाह, पतरस, पौलुस और बाइबल में कई अन्य लोगों को बुलाया गया था। यह तत्काल था।

जब यीशु ने शिष्यों को बुलाया, और उनसे कहा कि वह उन्हें मनुष्यों के मछुआरे बना देगा, तो क्या उसने उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि जब वे वापस जाएँगे तो उनकी नौकरियां होनी चाहिए ? क्यों नहीं? क्योंकि उन्होंने उन्हें एक नए रस्ते पर, अलोकिक जीवन की और

क्या उसने कहा जो कुछ भी चाहिए वो बांध लो साथ में ? उनकी पसंदीदा ब्रोंकोस जर्सी या शिविर ? क्या होता अगर यह अच्छी बात है? एक ठोस संशिप्त विवरण और एक अच्छी देखभाल शायद? अगर आपको यह पसंद आया और यह पाप नहीं था, तो क्या यह आपके साथ आ सकता है? यीशु का संदेश बिल्कुल नहीं था। उसका सन्देश पैकिंग नहीं था, उसका संदेश नया जीवन, और तुरंत उन्होंने अपने जाल गिरा दिए और उसके पीछे हो गए।

बस उस दिन और उम्र और अपने जाल को फेंकने के लिए मेरा अनुसरण करें और उम्र का मतलब है कि आप अपनी आजीविका छोड़ दें। आप अपने जाल नहीं छोड़ते हैं, वे आपके परिवार को भोजन और आर्थिक स्थिरता प्रदान करते हैं। आपको जालो को साफ करना था, उनकी देखभाल करना क्योंकि अगर वे काम नहीं करते थे, तो आप सब कुछ खो देते थे। यह आपके करियर और कॉलेज में निवेश किए गए सभी

धन को छोड़ने के लिए तुलनीय होगा और जब भी आप उस सपनों की नौकरी पाने के लिए समर्पित होते हैं जो उसका बिल चुकाता है।

अपने जाल छोड़ने के लिए विश्वास लगा। यह साहस की जरूरत पड़ी। यह आपको भी साहस लेगा। यह आपको विश्वास में कदम उठाना और कहना पड़ेगा कि आप परमेश्वर को अपने प्रदाता के रूप में पहचानते हैं।

मैं आपको शिष्यवृत्ति का अंतिम उदाहरण देना चाहता हूं।

वह उदाहरण यीशु मसीह स्वयं है।

फिलिप्पियों 2:5-7

जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो; जिसने परमेश्वार के स्वरूप में होकर भी परमेश्व र के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। वरन् अपने आप को ऐसा <u>शून्य कर</u> दिया*, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया।

जब यीशु को भेजा गया तो उसने सबकुछ छोड़ दिया

यीशु कहीं <u>कहाँ</u> छोड़ा गया ? **<u>स्वर्ग</u>**

यीशु ने जो <u>कुछ</u> छोड़ा वह क्या है? **<u>उसका सिंहासन</u>**

यीशु ने <u>किसको</u> छोड़ा था ? **<u>उसका पिता</u>**

ठीक। क्या छोड़ने पर कोई सवाल है ? हम अपनी चर्चा के दूसरे भाग में मॉडल के व्यावहारिक अनुप्रयोग में शामिल होंगे।

अब हमारे मॉडल के दूसरे भाग में चलते हैं।

पीशे चलना

शिष्यवृत्ति के अंतिम चरण और अंतिम चरण के बीच एक अंतर है।

यीशु के छोड़े गए मॉडल के अनुसार मसीह के अनुयायी बनने के लिए किसी को शिष्य बनाना शुरू करते समय हम तीन काम करते हैं।

1. हम उन्हें यीशु का अनुसरण करने के लिए **बुलाते** हैं।

2. हम **परिभाषित** करते हैं कि इसका अर्थ क्या है

3 हम **सिखाते** (नमूना) है शिष्य केसा हिना चाहिए

निम्नलिखित छंद हमें बताते हैं कि यीशु मसीह ने शिष्यों को **बुलाया** ।

मत्ती 4:19

मत्ती 8:22

मत्ती 9:9

मत्ती 10:38 (पक्का)

मत्ती 16:24

मत्ती 19:21

मरकुस 1:17

मरकुस 2:14

मरकुस 8:34

मरकुस 10:21 (बुलाया पर पीशे नही चल, अपनी संपति न पाए)

लुका 5:27-28

लुका 9:23

लुका 9:59

लुका 18:22 (बुलाया पर अनुसरण नहीं किया)

यहुना 1:43

यहुना 12:26 (सेवकाई करने वाले अगुओ के लिए बहुत अच्छा पद)

यहुना 21:19

यहुना 21:22 (दुसरो की चिंता मत करो सिर्फ येशु के पीछे चलो)

एक बार जब हम किसी को यीशु का अनुसरण करने के लिए बुलाते हैं तो हम **परिभाषित** करते हैं कि यीशु का शिष्य अनुयायी क्या है,

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक यह परिभाषित कर रहा है कि यीशु का अनुसरण करने का क्या अर्थ है।

क्योंकि चर्च ने इसे परिभाषित करने में इतनी खराब किआ है। हर किसी को विश्वास है कि वे यीशु का अनुसरण कर रहा हैं।

उदाहरण के लिए। "जो भी चर्च जाता है वह मसीह का अनुयायी है।"

यदि आप एक सेवकाई में सेवा करते हैं तो आप मानते हैं कि आप मसीह का अनुसरण कर रहे हैं। यह भी झूठ है।

एक व्यक्ति जो शरणार्थियों के लिए कपड़ों और भोजन वितरित करता है लेकिन विश्वासी नहीं है वह विश्वासी, उसे कभी भी यीशु मसीह का अनुयायी नहीं कहा जाएगा। दूसरों की सेवा करना हमें मसीह के अनुयायी नहीं बनाता है।

तो क्या हमें मसीह के अनुयायियों को अलग करता है?

यीशु ने परिभाषित किया कि उसका अनुयायी क्या है ।

मत्ती 4:19

19 और उसने "उनसे कहा," मेरे पीछे आओ, और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बना दूंगा।

जब आप यीशु का अनुसरण करते हैं तो आप तुरंत जानते हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति में परिवर्तित हो जाएंगे जो यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ पुरुषों को पकड़ लेता है |

यीशु ने इस दृष्टांत का इस्तेमाल किया क्योंकि वे मछुआरे थे। वह यह परिभाषित करना चाहता था कि अगर वे उसका पालन करें तो वे क्या करेंगे।

पवित्रशास्त्र में एक और मार्ग जो मसीह का अनुसरण करने वाले किसी व्यक्ति को आगे परिभाषित करता है,

लूका 9:59-60

59 उसने दूसरे से कहा, "मेरे पीछे हो ले।" उसने कहा, "हे प्रभु, मुझे पहले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूँ।"

60 उसने उससे कहा, "मरे हुओं को अपने मुर्दे गाड़ने दे, पर तू जाकर परमेश्वर के राज्य की कथा सुना।"

जब यीशु कहता है, "मेरे पीछे आओ" उसका मतलब है, हर जगह परमेश्वर के **राज्य** का **प्रचार** करें ।

जब यीशु के मरे हुओं में से जी उठने के बाद उसने अपने शिष्यों से उसे गलील में मिलने के लिए कहा और फिर उसने मत्ती 28:19 में कहा,

मत्ती 28:19-20

16. इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो,

17. और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।"

"आप शिष्य बनाने के बिना यीशु का अनुसरण नहीं कर सकते। शिष्य क्या है ? यह यीशु मसीह का पालन करने वाला है। वह पृथ्वी पर था, जबकि वह यीशु मसीह का मिशन था।

उसने 12 शिष्यों या अनुयायियों को बनाया जो फिर जाते और अन्य को अनुयाई बनाते और यही वह मॉडल है जो यीशु छोड़ कर गया था ।

इसलिए शास्त्रों के इन अनुच्छेदों और इन लोगों का समर्थन करने वाले कई लोगों से हम सीखते हैं कि यीशु का अनुयायी है,

यीशु का अनुयायी जो यीशु के अन्य अनुयायियों को बनाता है। "

जब हम किसी को यीशु का अनुसरण करने के लिए **बुलाते** हैं: हम उन्हें बताते हैं कि यीशु कौन है, उनसे यीशु का अनुसरण करने और हमारे साथ राज्य बनाने में मदद करने के लिए कहते है।

जब हम **परिभाषित** करते हैं कि यीशु का अनुयायी क्या है, तो हम उन्हें बताते हैं कि "यीशु का अनुयायी वह व्यक्ति है जो यीशु के और भी अनुयायी बनाता है।"

जब उन्हें हम यह **मॉडल** में दिखाते है शिष्य कोण हैं, हम उन्हें अपने कामो के द्वारा उहने दिखाते हैं की मसीह का अनुसरण केसे करे और उन्हें दिखाते हैं कि इसे दूसरों के लिए कैसे परिभाषित करे,

मुख्य कारणों में से एक हम शिष्य नहीं बनाते हैं क्योंकि हम नहीं जानते यीशु मसीह के अनुयायी के रूप मे गिना जाने के लिए यह बहुत जरुरी है ।

अगर हम लोगों को यीशु का अनुसरण करने के लिए आमंत्रित करते हैं तो हम उन्हें बताते हैं कि इसका मतलब है कि उनसे ऐसा करने की उम्मीद की जाएगी, तो हमें यीशु के आदेश को करने और शिष्य बनाने के लिए कोई समस्या नहीं आएगी, इसे बहुत निर्माण में एकीकृत किया जाएगा जो हम रोज़ाना करते हैं।

येशु ने करके दिखया केसे परमेश्वर की इच्छा का पालन करके अनुसरण करना था।

यीशु के अपने पिता ने यीशु को अपने सिंहासन को छोड़ने और सभी मानवता के उद्धार के लिए अपनी योजना का पालन करने के लिए कहा था,

फिर यह निम्नलिखित में कि परिभाषित किया गया है । वह हमें लुका 19 पद 10 में बताता है,

लूका 19:10

क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढ़ने और उनका उद्धार करने आया है।"

येशु यहा मनुषो को पकड़ने के लिए आया था लुका 4:18 में वो कहता है,

लूका 4:18

"प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिए कि

उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है,

और मुझे इसलिए भेजा है, कि बन्दियों को छुटकारे का

और अंधों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ

और कुचले हुओं को छुड़ाऊ ।

येशु यहाँ सुब्स्माचार सुनाने के लिए है ।

लुका 9 अधियाए 1 और 2 पद

बारह की सेवकाई

1. *और उसने बारहों को एक साथ बुलाया और उन्हें सभी सारी दुष्ट आत्माओ पर शक्ति और अधिकार और बीमारियों को ठीक के लिए अधिकार दिया ।*
2. *और उन्होंने उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने और चंगा करने के लिए ।*

यीशु मसीह अन्य अनुयायियों को बनाने के लिए दूसरों को भेजता है ,

इसलिए यीशु ने बारह को **बुलाया,** यह **परिभाषित** किया कि अनुयायी क्या करता है (सुसमाचार घोषित करके अन्य अनुयायियों को चलाता है) और खुद को **नमूना** बनाना जारी रखता है

और शिष्यों को प्रक्रिया को दोहराने के लिए भेजता है।

अनुसरण करने पर कोई सवाल ? याद रखें कि हम अंत में अनुकूलित और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को ठीक करेंगे।

चलो छोड़ने.अनुसरण करने. चमकने के आखिरी हिस्से में चलो।

चमकना

चमकने के लिए इसका क्या मतलब है इसकी सरल परिभाष।।

चमकने के लिए अँधेरी जगह में हमरी गवाही को बढ़ाना

जितना अधिक हम यीशु मसीह का पालन करेंगे उतना ही हम चमकेंगे। जितना अधिक हम यीशु को हमारे माध्यम से जीने की इजाजत देते हैं उतना ही हम अपने गवाही को बढ़ाते हैं और राज्य को अपनी महिमा के लिए गुणा करना शुरू करते हैं।

सीधे शब्दों में कहें। जब हम चमकते हैं तो हमारे पास कोई वैकल्पिक नहीं है बल्कि बिजाए शिष्यों की संख्या में वृद्धि करने के ।

हमारे लिए चमकने के लिए हमें मसीह है जो प्रकाश को **बढ़ावा** देना चाहिए।

मत्ती 5:15

15. और लोग दीया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उससे घर के सब लोगों को प्रकाश पहुँचता है।

लूका 8:16

16. "कोई दिया जला कर* बर्तन से नहीं ढाँकता, और न खाट के नीचे रखता है, परन्तु दीवट पर रखता है, कि भीतर आनेवाले प्रकाश पाएँ।

लूका 11:33

33. "कोई मनुष्य दीया जला के तलघर में, या पैमाने के नीचे नहीं रखता, परन्तु दीवट पर रखता है कि भीतर आनेवाले उजियाला पाएँ।

मत्ती 13:43

43. उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे। जिसके कान हों वह सुन ले।

मत्ती 5:16

16. उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें।

अपने प्रकाश को चमकने दें **"इस तरह से**

इसका मतलब है कि यह **जानबूझकर**, इतनी **साहसी**, इतनी **साहसी** है कि लोग स्वर्ग में हमारे पिता की महिमा करेंगे।

हम हर दिन उज्ज्वल और उज्ज्वल होते जाते हैं, हम हर दिन यीशु का अनुसरण कर रहे हैं। हम बनना चाहते हैं सुसमाचार को साझा करने, लोगों को मसीह में लाने के लिए स्वामी, और उन्हें समान करने के लिए अनुशासित करते हैं

नीतिवचन 4:18

परन्तु धर्मियों की चाल उस चमकती हुई ज्योति के समान है, जिसका प्रकाश दोपहर तक अधिक-अधिक बढ़ता रहता है।

दानिय्येल 12:3

तब सिखानेवालों की चमक आकाशमण्डल की सी होगी, और जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं, वे सर्वदा की नाईं प्रकाशमान रहेंगे।

मॉडल के इस हिस्से के लिए हमारी मुख्य आयत लुका 11:36 है,

लूका 11:36

36. इसलिए यदि तेरा सारा शरीर उजियाला हो, और उसका कोई भाग अंधेरा न रहे, तो सब का सब ऐसा उजियाला होगा, जैसा उस समय होता है, जब दिया अपनी चमक से तुझे उजाला देता है।"

तो उदाहरण यह है कि

यह हमारा जीवन दिया है जिसका उपयोग दूसरों को प्रकाशित करने के लिए किया जाएगा ।

प्रकाश यीशु मसीह है जो हमारे पूरे जीवन को प्रकाश से भरता है।

तो चमकने के लिए हमें अपने पूरे शरीर को पूरी तरह से प्रकाश, यीशु मसीह से भरे रहने की इजाजत देनी चाहिए, इतनी भरी है कि जहां भी हम जाते हैं मारे द्वारा रोशनी ही रोशनी की "किरणें" अंधेरे को उजागर करती रहे

हमारा अंतिम लक्ष्य इस दुनिया में रोशनी और चमक के लिए हमारी बुलाहट को पूरा करना है। हम मत्ती 9: 36-38 में यीशु के दिल को साफ रूप से और स्पष्ट रूप से देख सकते हैं

मत्ती 9:36-38

36. जब उसने भीड़ को देखा तो उसको लोगों पर तरस आया, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान जिनका कोई चरवाहा न हो, व्याकुल और भटके हुए से थे।

37. तब उसने अपने चेलों से कहा, "फसल तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं।

38. इसलिए फसल के स्वामी से विनती करो कि वह अपने खेत में काम करने के लिये मजदूर भेज दे।"

"भेजना" शब्द यह लगता है कि यह तुलना में कठोर है। यह शब्द "एक्बेल" है और इसका मतलब है "बाहर निकालना, निकालना, बाहर निकालना, फेंकना"

येशु फसल के मालिक से प्रार्थना करने के लिए कह रहा था कि उसकी फसल में "निष्कासित" या "हमें बाहर निकालो"।

अगर यीशु प्रार्थना करने को तैयार था कि हमें फसल में फेंक दिया जाए तो आप जानते हैं कि उसका मतलब है कि काम।

प्रकाश क्या है?

यूहन्ना 1:4

उसमें जीवन था ; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था।

यीशु में जीवन

वह जीवन इंसान की रोशनी थी।

यीशु हमें बताता है कि वह रास्ता, सत्य, और जीवन है।

जीवन के बिना आप पिता के पास कैसे जा सकते हैं? आप नहीं कर सकते।

तो हम पाते हैं कि यहुना हमें बताता है कि लोगो का प्रकाश जीवन है और यह जीवन यीशु है।

प्रेरितों के काम 26:23

कि मसीह को दुःख उठाना होगा, और वही सबसे पहले मरे हुओं में से जी उठकर, हमारे लोगों में और अन्यजातियों में ज्योति का प्रचार करेगा।"

यहूदियों और गैर-यहूदियों के लिए "प्रकाश" घोषित करने में कि मृतकों से ऊपर उठने के बाद येशु लोगों के दोनों समूहों के लिए जीवन घोषित करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। सभी लोगो के लिए।

प्रेरितों के काम 13:47

क्योंकि प्रभु ने हमें यह आज्ञा दी है,

'मैंने तुझे अन्यजातियों के लिये ज्योति ठहराया है,

ताकि तू पृथ्वी की छोर तक उद्धार का द्वार हो।"

यीशु को यहां यहूदियों और अन्यजातियों के लिए प्रकाश या जीवन होने के लिए रखा गया था

तो प्रकाश = हम सभी का जीवन।

इसलिए यदि हम अनुयायियों को बनाने में यीशु का पालन नहीं कर रहे हैं तो हमारे लिए अन्य लोगों के जीवन में प्रकाश डालना असंभव है

तो यहां हमारा काम है। हम लोग हैं जो इस प्रकाश को चमकाते हैं। हम इसे छिपाते नहीं हैं, हम इसके विपरीत करते हैं। हम दुसरो को जीवन देते है जो जीवन खुद यीशु है

यीशु एक दिया है जो जलाया गया था। सभी को देखाने के लिए इसको दीवट पर रखने की ज़िम्मेदारी हमारी है।

सहायक पद

मत्ती 5:14

14. तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता।

मत्ती 6:22

22. "शरीर का दीया आँख है: इसलिए यदि तेरी आँख अच्छी हो, तो तेरा सारा शरीर भी उजियाला होगा।

यूहन्ना 1:7

7. यह गवाही देने आया, कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएँ।

यूहन्ना 1:8

8. वह आप तो वह ज्योति न था, परन्तु उस ज्योति की गवाही देने के लिये आया था।

यूहन्ना 3:19

19. और दण्ड की आज्ञा का कारण यह है कि ज्योति जगत में आई है, और मनुष्यों ने अंधकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे।

यूहन्ना 3:21

21. परन्तु जो सच्चाई पर चलता है, वह ज्योति के निकट आता है, ताकि उसके काम प्रगट हों कि वह परमेश्वर की ओर से किए गए हैं।"

रोमियों 2:19

19. यदि तू अपने पर भरोसा रखता है, कि मैं अंधों का अगुआ, और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति,

रोमियों 13:12

12. रात बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिए हम अंधकार के कामों को तजकर ज्योति के हथियार बाँध लें।

4.कुरिन्थियों 4:4

4. और उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।*

हमारी इच्छा और प्रार्थना यह है कि यह मॉडल हमारे पिता की महिमा लाएगा और हमारे प्रभु यीशु मसीह के बलिदान का सम्मान करेगा ताकि वह जो खोया हुआ है, वह पाया जा सके।

हमें आशा है कि अब आपको बड़ी फसल का हिस्सा लेने में आशीष मिलेगी। आपके पास अफ्रीका, नेपाल, भारत, पाकिस्तान, मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका में भाई और बहन हैं, और बहुत से लोग परमेश्वर के राज्य को बढ़ा रहे हैं और कटाई कर रहे है जो परमेश्वर ने आपके साथ पहले ही तैयार की हुई है।

परमेश्वर आपको आशीश दे, और उसकी शांति आपके दिल में हमेशा के लिए शासन करते हैं।